सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

सांध्यकालीन समाचार पत्र

# स्वराज इंडिया

शुभ दीपावली

www.swarajindianews.com

कानपुर, सोमवार, 20 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 278, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन पर पथराव से स्टेशन पर मची... » Pg03

जब 'जय श्रीराम' की गूंज में खो गया... » Pg15

### निषाद-वाल्मिकी समाज के लोगों के साथ सीएम ने मनाई दिवाली

# दिवाली पर उनकी मदद कीजिये, जो नहीं खरीद सकते दीये-मिठाई

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया न्यूज।

अयोध्या। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज सोमवार को दीपावली के अवसर पर अयोध्या में लोगों से अपील की कि वे दिवाली पर उन लोगों की मदद करें जो दीप जलाने या मिठाइयां खरीदने में असमर्थ हैं।

अयोध्या के अभिरामदास वार्ड में निषाद समुदाय की एक कॉलोनी का दौरा करते हुए सीएम योगी ने कहा, जब भगवान राम (माता सीता और भगवान लक्ष्मण के साथ) वनवास के लिए जा रहे थे, तब निषादराज पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भगवान राम की सहायता की। वह पहले ऐसे व्यक्ति थे जिनसे भगवान राम की मित्रता हुई। यह मित्रता त्रेतायुग से आज तक जारी है। शेष खबर पृष्ठ 11 पर...

# नेपाल-बांग्लादेश जा रही हैं नारकोटिक्स दवाएं!

## कफ सिरप पकड़े जाने के बाद शुरू हुआ अभियान

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रदेश से नारकोटिक्स दवाएं नेपाल, बांग्लादेश भेजने के सबूत मिलने लगे हैं। ये दवाएं लखनऊ से वाया लखीमपुर खीरी भेजी जा रही हैं। पिछले दिनों दवा कारोबारी के घर से 69 लाख की नारकोटिक्स दवाएं पकड़ी गई हैं। इस कारोबारी ने लखनऊ की एजेंसी से सालभर में करोड़ों की दवाएं खरीदी हैं।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप पीने से कई बच्चों की मौत के बाद जांच अभियान शुरू हुआ है। लखनऊ में एक घर में बड़ी मात्रा में पकड़ी गई सिरप और हिरासत में लिए गए लोगों से मिले सबूत के आधार पर जांच आगे बढ़ रही है। लखनऊ में इधिका लाइफ साइंस और आर्पिक फार्मास्युटिकल के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित गोदाम में छापा मारा गया, वहां से बड़ी मात्रा में कोडिन सिरप, ट्रामाडॉल, अल्प्राजोलम टैबलेट मिले थे। दस्तावेजों की जांच में पता चला कि करोड़ों की दवाएं अकेले लखीमपुर खीरी भेजी गई हैं।

ऐसे में छापा मार कर गोला गोकर्णनाथ थाना क्षेत्र के थोक और फुटकर दवा विक्रेता सरोज कुमार मिश्रा के यहां छापा मारा। दवा विक्रेता के मकान से बिना लाइसेंस के नारकोटिक्स श्रेणी की दवा ट्रामाडॉल बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 69.87 लाख है।

# विधायक विनय द्विवेदी के बड़े भाई का हार्ट अटैक से निधन

» केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह समेत अन्य जन प्रतिनिधियों ने जताया शोक

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोंडा। मेहनौन क्षेत्र से भाजपा विधायक विनय कुमार द्विवेदी के बड़े भाई महंत ओंकार बन (55) का सोमवार को आकस्मिक निधन हो गया। रविवार की आधी रात सीने में दर्द के बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गयी। उन्हे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। जहां हृदय गति रुकने से उनका निधन हो गया। ओंकार बन श्रीनगर मठ के महंथ और मेहनौन क्षेत्र से गन्ना डायरेक्टर थे। महंत के निधन से पूरा मेहनौन शोक में डूब गया है।

महंत ओंकार बन के निधन पर केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह, कैसरगंज सांसद करण भूषण सिंह, करनैलगंज विधायक अजय सिंह, सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह, तरबगंज विधायक प्रेम नरायन पांडेय, गौरा विधायक प्रभात वर्मा, कटरा बाजार विधायक बावन सिंह, बलरामपुर सदर विधायक पल्टूराम समेत अनेक जन प्रतिनिधियों ने विधायक के घर पहुंचकर उन्हे सांत्वना दी और ढाढ़स बंधाया।

## सीएम और पीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला

# आवास विकास का सहायक हुआ अभियंता निलंबित

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया न्यूज।

कानपुर। आवास विकास के सहायक अभियंता विनोद कुमार को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। आवास आयुक्त ने मामले की विभागीय जांच गाजियाबाद के अधीक्षण अभियंता को सौंपी है।

कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने में आवास विकास परिषद विद्युत खंड–3 में तैनात सहायक अभियंता विनोद कुमार को शनिवार को निलंबित कर दिया गया। उनके खिलाफ विभागीय जांच भी बैठा दी गई है। पनकी रतनपुर कॉलोनी निवासी विपिन कुमार शुक्ला ने 23 सितंबर को आवास–विकास मुख्यालय लखनऊ शिकायत पत्र भेजा था। इसमें उन्होंने एक पेन ड्राइव भी भेजी थी। आरोप लगाया था कि उन्होंने भ्रष्टाचार से संबंधित पत्र नौ सितंबर को आवास आयुक्त को डाक से भेजा था। इस पर सहायक अभियंता विनोद कुमार ने 18 सितंबर को उन्हें फोन कर धमकाया। उन्होंने फोन पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की। शिकायतकर्ता को घर आकर देखने की धमकी भी दी।

एक माह के भीतर जांच रिपोर्ट तलब की हैइसी शिकायत पर आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने विनोद कुमार को निलंबित कर विभागीय जांच गाजियाबाद क्षेत्र (वृत्त) के अधीक्षण अभियंता को सौंपी है। उन्होंने एक माह के भीतर जांच रिपोर्ट तलब की है। इसके साथ ही विनोद कुमार को गाजियाबाद वृत्त के अधीक्षण अभियंता से संबद्ध किया गया है।

## हाहाकारज्ट्रेनों में आरक्षित सीट पर भी कब्जा, पुलिस–आरपीएफ बेबस

कानपुर ।कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर दिवाली की भीड़ ने रेलवे व्यवस्था को डिरेल कर दिया। बिहार की ओर जाने वाली ट्रेनों के दिव्यांग कोच और शौचालय तक यात्रियों से भरे रहे, जबकि आरक्षित सीट पर भी कब्जा होने से पुलिस भी बेबस दिखी। रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों की संख्या बढ़ाने का दावा किया है ।कानपुर में रेलवे प्रशासन की ओर से दिवाली पर यात्रियों की भीड़ को मैनेज करने के लिए की गई व्यवस्थाएं शनिवार को सेंट्रल स्टेशन में डिरेल हो गई। बिहार की ओर से आने वाली ट्रेनों में दिव्यांग कोच से लेकर शौचालयों तक में लोग बैठकर घरों के लिए गए। सीट आरक्षित होने के बाद भी कई यात्रियों को सीट नहीं मिल सकी।

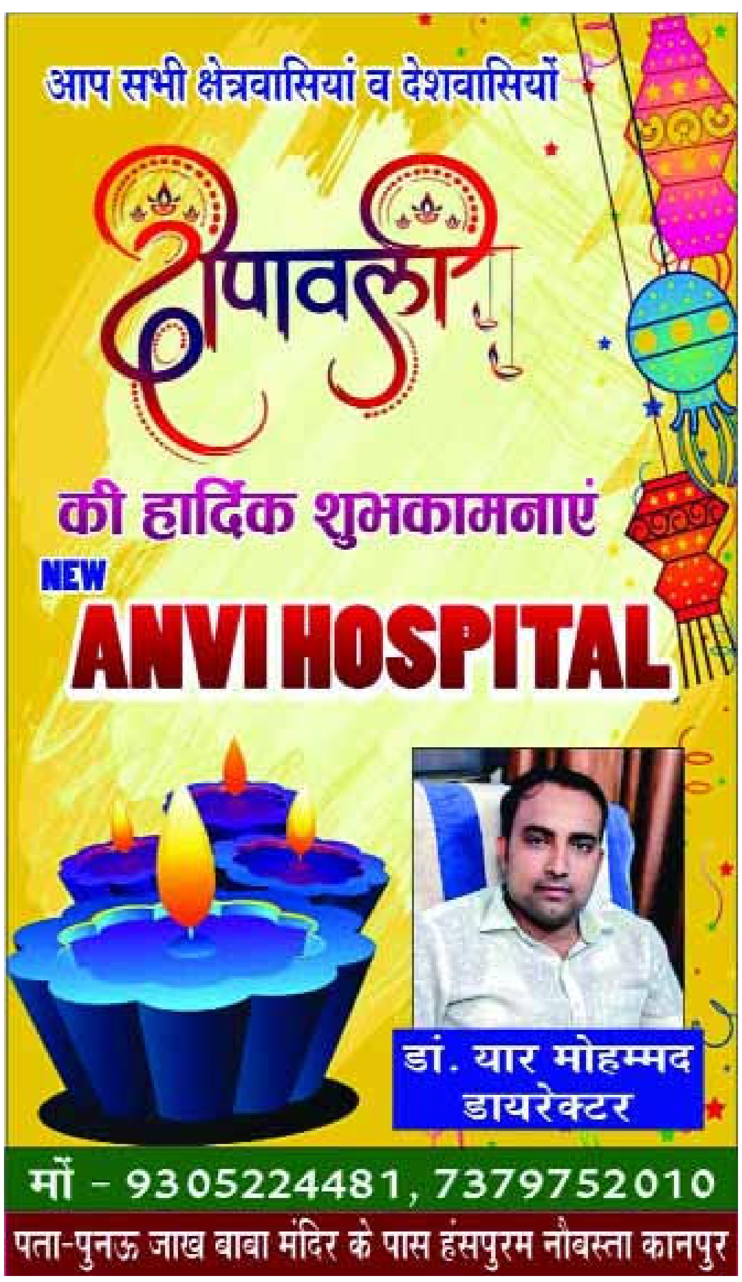

# फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन पर पथराव से स्टेशन पर मची अफरा-तफरी

» गाड़ी लंबे समय तक आउटर सिग्नल पर रुकी रही, नाराज़ यात्रियों ने इंजन पर फेंके पत्थर

» आरपीएफ ने दर्ज किया मुकदमा, अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया न्यूज।

कानपुर। अहमदाबाद से दरभंगा जा रही फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन पर शनिवार देर रात पथराव की घटना से हड़कंप मच गया। इस दौरान ट्रेन के इंजन का शीशा टूट गया।

गनीमत यह रही कि ड्राइवर और सहायक ड्राइवर बाल-बाल बच गए। घटना भीमसेन और गोविंदपुरी स्टेशन के बीच आउटर सिग्नल पर उस वक्त हुई, जब ट्रेन करीब डेढ़ घंटे तक खड़ी रही। देरी से परेशान यात्री ट्रेन से उतरकर इंजन की ओर बढ़ गए और ड्राइवर से ट्रेन न चलने की वजह पूछने लगे। इसी दौरान कुछ उग्र यात्रियों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिससे इंजन की खिडक़ी के शीशे टूट गए।

ट्रेन पायलट सुदामा कुमार और को-पायलट संजीव ने तत्काल इंजन का गेट बंद कर कंट्रोल रूम को सूचना दी। जानकारी मिलते ही आरपीएफ और रेलबाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।स्टेशन मास्टर भीमसेन की तहरीर पर आरपीएफ पोस्ट पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।आरपीएफ अधिकारी ने बताया कि घटना में शामिल यात्रियों की पहचान

की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल वीडियो खंगाले जा रहे हैं। जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

रेलवे सूत्रों के अनुसार, त्योहारों के सीजन में फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ और देरी के कारण यात्रियों में आक्रोश की स्थिति बन जाती है। झ

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे किसी भी स्थिति में ट्रेन या संपति को नुकसान न पहुंचाएं, क्योंकि यह गंभीर दंडनीय अपराध है।

# दीपावली की धूम: बाजारों में रिकॉर्ड तोड़ भीड़, बढ़ी बिक्री

## जगह जगह बन रही जाम की स्थिति, व्यापारियों के खिले चेहरे, बाजारों में ग्राहकों का जबरदस्त उत्साह

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया न्यूज।

बिल्हौर (कानपुर)। रोशनी के पर्व दीपावली से ठीक पहले बिल्हौर के बाजार में अभूतपूर्व रौनक देखने को मिल रही है। छोटे कस्बों तक में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही है, जिससे व्यापारिक गतिविधियाँ अपने चरम पर हैं। व्यापारियों के चेहरे खिले हुए हैं, और इस बार का त्योहारी सीजन व्यापार जगत के लिए अपार खुशियां लेकर आया है।

जीएसटी दरों में कटौती, कंपनियों द्वारा दी गई विशेष छूट का असर साफ दिखाई दिया। बाजारों में स्थिति यह है कि कई मुख्य चौराहों और बाजारों में पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। खरीदारी के लिए उमड़े जनसैलाब के कारण कई जगह ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त व्यवस्थाएं कर रहे हैं।

धनतेरस के बाद भी सोने-चांदी के आभूषणों,सिक्कों और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे फ्रिज, वॉशिंग मशीन, और मोबाइल फोन की दुकानों पर लंबी कतारें लगी हुई हैं।

रंग-बिरंगी झालरें, पारंपरिक मिट्टी के दीये, मोमबत्तियाँ और घरों को सजाने के लिए तोरन, रंगोली फ्रेम तथा कृत्रिम फूलों की मालाओं की बिक्री जोरों पर है। स्थानीय कुम्हारों द्वारा बनाए गए दीयों की मांग में इस बार जबरदस्त उछाल देखा गया है। पारंपरिक भारतीय परिधान जैसे साड़ियों और कुर्ता-पजामा की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ है।

वहीं, मिठाइयाँ, सूखे मेवे और नमकीन के स्टॉल पर भी पैर रखने की जगह नहीं है। डेयरी उत्पादों की मांग को देखते हुए कंपनियों ने अतिरिक्त सप्लाई की व्यवस्था की है।

### स्वदेशी उत्पादों की बढ़ती मांग

इस बार बाजार का सबसे बड़ा ट्रेंड स्वदेशी उत्पादों के प्रति ग्राहकों का रुझान है। लोगों ने चीन निर्मित (आयातित) सजावटी सामानों की जगह स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए मिट्टी के दीयों, हस्तशिल्प और भारतीय कपड़ों को प्राथमिकता दी है, जिससे घरेलू उद्योग को बड़ा लाभ मिला है।

केवल बड़े शहर ही नहीं, बल्कि छोटे कस्बों में भी दिवाली की यह धूम साफ दिखाई दे रही है। क्षेत्रों के बाजारों में भी सुबह से देर रात तक भीड़ बनी रही, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस बार त्योहारी बिक्री का उत्साह देशव्यापी है।

कुल मिलाकर, यह दीपावली न केवल प्रकाश का, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और व्यापारिक समुदाय के लिए आशा और समृद्धि का भी पर्व साबित हो रही है। व्यापारी अब दिवाली की यह रौनक आगे विवाह सीजन में भी बरकरार रहने की उम्मीद कर रहे हैं।

# उत्तरीपुरा बाजार में चापड़ से हमला, बुजुर्ग घायल

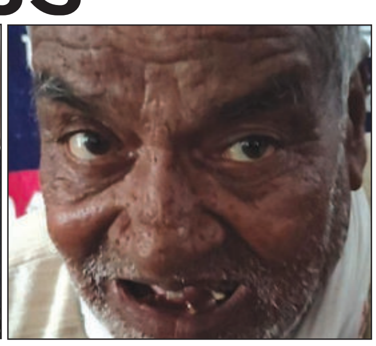

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। छोटी दिवाली की शाम बाजार जगमगा रहा था, दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ और चारों ओर त्योहार की रौनक थी। लेकिन इसी खुशगवार माहौल के बीच बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के उत्तरीपुरा बाजार में उस समय अचानक चीख-पुकार गूंज उठी, जब एक व्यक्ति ने पास की मुर्गे की दुकान से चापड़ उठाकर बुजुर्ग पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। कुछ ही मिनटों में रौनक भरा बाजार खौफ में बदल गया और लोग इधर-उधर भागने लगे।

जानकारी के अनुसार 65 वर्षीय मंतोष सिंह पुत्र रंजीत सिंह, निवासी बदन निवादा, थाना बिल्हौर दवा लेने उत्तरीपूरा बाजार गए थे और

### » पुलिस ने आरोपी को हथियार सहित किया गिरफ्तार।

देशी ठेके के पास किसी से बात कर रहे थे। तभी नाथू झाल मजरा पूरा निवासी राजेश कुमार पुत्र कन्हैया लाल गौतम 42 वर्ष ने पास की मुर्गे की दुकान से चापड़ उठाकर मंतोष सिंह की गर्दन पर हमला कर दिया। देखते ही देखते बाजार में चीख पुकार और भगदड़ मच गई। हमले के तुरंत बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और परिजनों ने उन्हें सीएचसी बिल्हौर उपचार हेतु भेजा। डॉक्टरों ने बताया कि घायल गंभीर स्थिति में है उसका इलाज चल रहा है। उधर पुलिस ने आरोपी राजेश कुमार को घटनास्थल से ही चापड़ समेत हिरासत में ले लिया है।

# मृतक अमीन योगेंद्र की पत्नी को मिली तहसील में अनुसेवक पद पर तैनाती

### दिवाली से पहले रीना को मिला तोहफा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। दिवाली से ठीक पहले बिल्हौर तहसील के राजस्व अमीन रहे योगेंद्र चौहान की पत्नी रीना चौहान के जीवन में उम्मीद की नई किरण जग उठी है। शनिवार को जब उन्हें मृतक आश्रित कोटे में अनुसेवक पद पर नियुक्ति पत्र सौंपा गया,तो लंबे समय से चेहरे पर पसरा सन्नाटा मानो एक पल में मुस्कान में बदल गया। रीना की आंखें भर आईं, और भावुक स्वर में उन्होंने कहा अधिकारीयों का शुक्रिया अदा किया।

मालूम हो कि जनवरी माह में योगेंद्र सिंह ने व्यक्तिगत तनाव के चलते घर में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। अचानक हुए इस हादसे ने पूरे परिवार को तोड़ दिया था। आर्थिक तंगी और सामाजिक चुनौतियों के बीच रीना ने साहस नहीं खोया। उन्होंने शासन से मृतक आश्रित कोटे में नौकरी की गुहार लगाई। कई महीने की प्रक्रिया के बाद शासन ने उनकी पीड़ा को समझते हुए संवेदनशील निर्णय लिया। परिणामस्वरूप रीना चौहान को बिल्हौर

### » फांसी पर झूल गए थे योगेंद्र, नियुक्ति पत्र मिलते ही रीना बोलीं-थैंक्यू सर!

तहसील में अनुसेवक पद पर तैनाती दी गई। शनिवार को एसडीएम दफ्तर में एसडीएम संजीव दीक्षित और तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने रीना चौहान को नियुक्ति पत्र सौंपा। दोनों अधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि शासन का यह कदम केवल एक परिवार की मदद नहीं, बल्कि मानवता का संदेश है।

एसडीएम ने कहाँ-जब कोई परिवार विपरीत परिस्थितियों से गुजर रहा हो, तो शासन की संवेदनशीलता ही उसे फिर से खड़ा होने की ताकत देती है।नियुक्ति पत्र मिलते ही रीना की आंखों में आंसू छलक पड़े।

दिवाली से पहले मिली यह नियुक्ति अब सिर्फ़ रीना के घर में नहीं, बल्कि पूरे गांव में उम्मीद की नई रोशनी बन गई है। जहां एक समय योगेंद्र की मौत ने सन्नाटा बिखेरा था, वहीं अब उसी परिवार से फिर जीवन की आहट सुनाई दे रही है।

# सम्पादकीय

## तन-मन के अंधेरे भी दूर करे उजाला

उल्लास-उमंग के साथ राष्ट्र की आर्थिकी को नई ऊर्जा देने वाला त्योहार दीपावली सही मायने में सादगी व उजाले का त्योहार है। महानगरीय जीवन की एकरसता व तनाव से मुक्ति दिलाने वाली पर्व श्रृंखला के जहां आध्यात्मिक-धार्मिक मायने हैं, वहीं ये पर्व हमें नई ऊर्जा से भर देते हैं। हमारे रिश्तों को नई ऊष्मा देते हैं। एक मायने में लक्ष्मी हर छोटे-बड़े काम-धंधे से लेकर उद्योगों में इस पर्व के दौरान आती है।

समृद्धि की रोशनी श्रम और सकारात्मक जीवन व्यवहार से आती है। लेकिन हाल के वर्षों में हमारी जीवन शैली और कार्य संस्कृति में व्यापक बदलाव आए हैं। जीवन व्यवहार में कृत्रिमता और दिखावे की संस्कृति का बोलबाला हुआ, जिसकी गहरी छाया हमारे पर्व-त्योहारों पर भी नजर आई है। भारत पर्व-त्योहारों का देश हैं, जिनके गहरे निहितार्थ हैं। ये पर्व-त्योहार हमारे ऋतु चक्र से जुड़े हैं, जिसका आधार हमारी किसानी संस्कृति है। वर्षा ऋतु से जीवन में आई नीरसता व इसके प्रतिकूल प्रभावों से मुक्ति की राह दिखाती है पर्व श्रृंखला। लेकिन हमें सही मायने में पर्व का मर्म समझना चाहिए। सादगी, सात्विकता और इसके आध्यात्मिक पक्ष के गहरे निहितार्थों की हमें अनदेखी नहीं करनी चाहिए। लेकिन हाल के वर्षों में यह त्योहार दिखावे व धन के भौंडे प्रदर्शन का सबब बनता जा रहा है। इस पर्व का असली मकसद यही है कि गरीबी की देहरी पर भी उजाला हो। प्रकाश का ही नहीं, समृद्धि का भी। उसमें समाज की बड़ी भागेदारी जरूरी है।

यह विडंबना ही है कि हाल के वर्षों में इस पर्व के मर्म के विपरीत कृत्रिमता, दिखावा, परंपरा के सतही विकल्प और औपचारिकताओं ने गहरी पैठ बना ली है। बाजार इतना हावी है कि वह दिवाली की पूजा आपको ऑनलाइन उपलब्ध करा सकता था। दीया-बाती, फूलों की सजावट, मूर्तियां, सरसों के तेल, पटाखों से लेकर तमाम त्योहार में उपयोग की जाने वाली वस्तुओं के हमने नये-नये कृत्रिम विकल्प तलाश लिये हैं। विडंबना देखिए कि देवी-देवताओं की मूर्तियों से लेकर बिजली की झालरें तक चीन से आने लगी। लगाते रहें आप स्वदेशी का नारा, लोगों को फर्क नहीं पड़ता कि दोनों देशों में व्यापार संतुलन लगातार बिगड़ रहा है। पहले घरों में तरह-तरह के पकवान बनते थे ताकि परिवार व मित्रों को पौष्टिक व स्वास्थ्यवर्धक मिठाई मिल सके।जबरदस्ती लक्ष्मी को घर बुलाने वाले लोगों की मिठाई की दुकानों में मिलावट व गुणवत्ता से समझौते करने की शिकायत पर प्रशासन की कार्रवाई की खबरें आ रही हैं। शहरी जीवन में दुधारू पशु बहुत कम दिखते हैं लेकिन दूध-पनीर-मावा जितना चाहे ले लो। मिठाइयों में कृत्रिम रंगों व चीनी की भरमार है,

## शतायु जीवन दे सकते हैं अच्छे बैक्टीरिया

ज्योति मल्होत्रा

**मारिया ब्रान्यास मोरेरा का जीवन हमें याद दिलाता है कि दीर्घायु आनुवांशिकी, जीवनशैली और जीव विज्ञान के एक नाजुक संतुलन पर निर्भर करती है। हम हर कारक को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन अच्छे पोषण से आंत के माइक्रोबायोम की. मारिया ब्रान्यास मोरेरा का जीवन हमें याद दिलाता है कि दीर्घायु आनुवांशिकी, जीवनशैली और जीव विज्ञान के एक नाजुक संतुलन पर निर्भर करती है। हम हर कारक को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन अच्छे पोषण से आंत के माइक्रोबायोम की देखभाल करना स्थायी स्वास्थ्य की दिशा में एक सार्थक कदम है।**

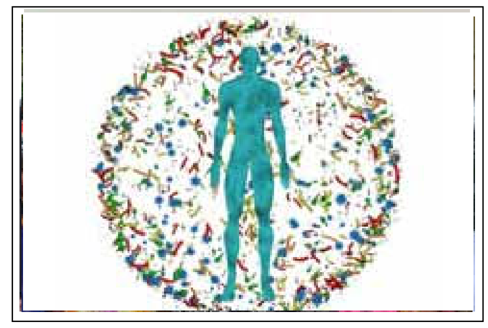

दुनिया में कुछ लोग अपनी आयु का शतक पूरा कर लेते हैं और कुछ गिने-चुने लोग अपने शतक में कुछ और साल जोड़ने में कामयाब हो जाते हैं। क्या इन लोगों का दीर्घ जीवन आनुवंशिक कारणों से है या इसके लिए उनका खानपान और दिनचर्या जिम्मेदार हवैज्ञानिक काफी लंबे अर्से से इन सवालों का उत्तर ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं। स्पेनी महिला मारिया ब्रान्यास मोरेरा द्वारा छोड़े गएएक 'उपहार' से उनके शोध प्रयासों को नया बल मिला है। मोरेरा का जब 2024 में 117 वर्ष की आयु में निधन हुआ तो वह विज्ञान के लिए अपने माइक्रोबायोम के नमूने छोड़ गई। हर व्यक्ति के शरीर में रहने वाले लाभकारी जीवाणुओं के समूह को माइक्रोबायोम कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने इस नमूने का अध्ययन करने के बाद पाया कि मोरेरा की आंतें दशकों छोटी महिला की आंतों की तरह विविध थीं। वे ऐसे लाभकारी बैक्टीरिया से भरपूर थीं जो दीर्घायु से जुड़े हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि मोरेरा की रोजाना योगर्ट (खास विधि से जमाया गया दही) खाने की आदत और भूमध्यसागरीय आहार ने शायद इसमें मदद की होगी। हालांकि हम सभी को 'भाग्यशाली जीन' विरासत में नहीं मिलते, फिर भी अपने माइक्रोबायोम का पोषण करना आजीवन स्वास्थ्य बनाए रखने का एक तरीका हो सकता है। सेल रिपोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित एक शोधपत्र में शोधकर्ताओं ने एक सुपरसेंटेनेरियन (110 वर्ष या उससे अधिक आयु का व्यक्ति) पर संभवतः सबसे विस्तृत वैज्ञानिक शोध प्रस्तुत किया है।

अपनी मृत्यु से पहले ब्रान्यास ने इस शोध में भाग लेने पर सहमति व्यक्त की थी जिसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि उन्होंने इतना लंबा और स्वस्थ जीवन कैसे जिया। वैज्ञानिकों ने उसके नमूनों की तुलना उन लोगों के नमूनों से की जिनकी उम्र इतनी असाधारण नहीं थी। उन्होंने पाया कि ब्रान्यास के शरीर में सुरक्षात्मक जीन मौजूद थे जो सामान्य बीमारियों से बचाते हैं। लेकिन उन्होंने आंत के माइक्रोबायोम पर भी ध्यान दिया जिस पर हमारा ज्यादा नियंत्रण है। यह माइक्रोबायोम बैक्टीरिया, कवक और अन्य सूक्ष्मजीवों का विशाल समुदाय है जो हमारी आंतों में रहते हैं। ये भोजन को पचाने, विटामिन बनाने, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करने और मस्तिष्क से संवाद करने में मदद करते हैं। यद्यपि हमारे जीन हमारे माइक्रोबायोम को आकार देने में छोटी भूमिका निभाते हैं,लेकिन आहार और जीवनशैली कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। आमतौर पर जैसे-जैसे लोगों की उम्र बढ़ती है, आंत में सूक्ष्मजीव प्रजातियों की विविधता कम हो जाती है और बिफीडोबैक्टीरियम जैसे लाभकारी सूक्ष्मजीव कम हो जाते हैं। विविधता में इस कमी को दुर्बलता से जोड़ा गया है। ब्रान्यास की आंत का माइक्रोबायोम किसी बहुत कम उम्र के वयस्क की तरह ही विविध था और विशेष रूप से बिफीडोबैक्टीरियम परिवार के जीवाणुओं से भरपूर था। ज्यादातर बुजुर्गों में ये बैक्टीरिया कम हो जाते हैं, लेकिन ब्रान्यास के स्तर अन्य शतायु और अतिशतायु लोगों में बिफीडोबैक्टीरियम के बढ़े हुए स्तर की पिछली रिपोर्टों से मेल खाते थे।

# उजास को अंधेरे से मुक्त करने की आस अंतर्मन

### रोशनी का पर्व है,

ज्वाला सिंह दास

**दिवाली न केवल रोशनी का पर्व है, बल्कि सामाजिक समरसता, साझा श्रम और वंचितों के साथ खुशियां बांटने का वह अवसर है, जो हमारे उत्सवों को अर्थ देता है। जन्माष्टमी के बाद देश में पर्वों की जो श्रृंखला शुरू होती है, वह भारतीय जनमानस में नए उत्साह व ऊर्जा का संचार करने लगती है। मानसूनी मौसम में जो उदासीनता, शिथिलता तन-मन पर हावी होती है, उससे लोग उबरने लगते हैं। वैसे अतिवृष्टि व बादल फटने की घटनाएं मानसूनी फुहारों के बीच अब भय की प्रतीक बनने लगी हैं। वर्षा ऋतु में वातावरण में एक उदासीनता-एकरसता पैदा होती है। पर्व श्रृंखला उस उदासी व एकरसता को तोड़ती है।**

पितरों के स्मरण के श्राद्ध के बाद जब रामलीलाओं का आयोजन होने लगता है, तो देश का वातावरण बदलने लगता है। सुहानी ठंड की दस्तक के बीच वातावरण में नई ऊर्जा का संचार होने लगता है। साथ ही नवरात्र समाज में व्रत-संकल्प के ज़रिए जीवन में एक नई उल्लास की लहर ले आते हैं। आज़ादी के आंदोलन में भारतीय समाज को एकता के सूत्र में पिरोने वाला गणेश उत्सव आज भी समाज को जोड़ता है। फिर दशहरा उद्घोष करता है कि दिवाली में कुछ दिन बाकी हैं। पश्चिम बंगाल में विशिष्ट और शेष देश में फिर दुर्गा पूजा की धूम होती है। नवरात्र बेटियों के सम्मान का पर्व तो करवाचौथ भारतीय पारिवारिक संस्था में त्याग, समर्पण और रिश्तों में मिठास के उत्सव में बदल जाता है। भले ही

सोशल मीडिया के दौर में करवाचौथ को लेकर तरह-तरह के मीम बनते हैं, लेकिन पतियों के लंबे, सुखी जीवन के लिए रखा गया निर्जल व्रत निश्चित ही भारतीय पारिवारिक संस्था की खूबसूरती है। फिर पांच पर्वों की श्रृंखला में दिवाली की दस्तक जैसे पूरे भारतीय समाज को आलोड़ित कर देती है। भारतीय अर्थव्यवस्था में एक धनात्मक तूफान जैसा उठता है।

इस बार धनतेरस पर एक लाख करोड़ रुपये की ख़रीदारी इसका जीवंत उदाहरण है। हर भारतीय इस पर्व के आगमन की तैयारी में जुटता है। कुम्हार से लेकर पटाखे वाले, खील-पताशे वाले तक, इस पर्व में साल भर की कमाई की उम्मीद करते हैं। दिया-बाती, मोमबत्ती, अगरबत्ती, पटाखे, खील-बतासे, मूर्तियां, मिठाई बनाने वाले महीनों की तैयारी के बाद इस त्योहार को साल भर की कमाई के स्रोत के रूप में देखते हैं। यह तबका, जो बूंद-बूंद से घड़ा भरने के विश्वास से अपनी जीविका का उपार्जन करता है, बहुत कम लाभ के साथ हाड़तोड़ मेहनत करता है। देश का बड़ा तबका इस श्रमसाध्य कार्य में लगा होता है, वह भी श्रद्धा और विश्वास से। जिसमें हिंदू ही नहीं, बड़ी संख्या में मुस्लिम भी इस काम में लगे रहते हैं। भारत की गंगा-जमुनी संस्कृति की एक अनूठी मिसाल जीवंत हो उठती है। दिवाली के बाजार में अब ऐसे मुनाफाखोरों की भरमार है, जो श्रमप्रधान समाज की भावना से खिलवाड़ कर रहे हैं। वे लुभावनी स्कीमों, छूट और प्रलोभनों से उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं। रातों-रात अमीर बनने की लालसा में यह वर्ग जीवन-मूल्यों की अनदेखी करता है। ऑनलाइन जुए से लेकर रियल एस्टेट तक, हर क्षेत्र में उनका वर्चस्व बढ़ा है और लालच की यह प्रवृत्ति लगातार गहराती जा रही है। पर्व का मर्म है कि हर घर तक उजाला पहुंचे—उस गरीब की देहरी तक भी, जिसके दरवाजे पर उजाले ने अभी तक दस्तक नहीं दी। इस पर्व में हम यह नहीं देखते कि सिर्फ हमारे घर में ही उजाला हो, पड़ोसी के अंधेरे की भी हमें फिक्र होनी चाहिए। सही मायनों में हमारे पर्व समाज में एक सेफ्टी वॉल का काम करते हैं।

# जेके कैंसर अस्पताल में चाकू से गोदकर किसान की हत्या, झाड़ियों में मिला लहूलुहान शव, जांच शुरू

» स्वराज इंडिया ब्यूरो।

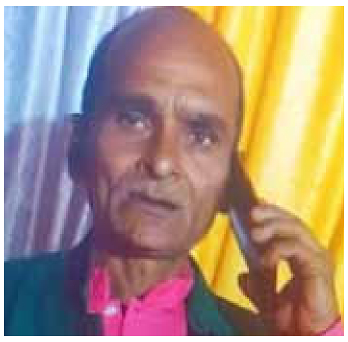

कानपुर। स्वरूप नगर में जेके कैंसर हॉस्पिटल परिसर की झाड़ियों में बुजुर्ग किसान का चाकुओं से गोदा हुआ शव मिला। वह अपनी पत्नी के इलाज के लिए कानपुर आए थे। एसीपी ने बताया कि पुलिस पल्सर सवार संदिग्ध सहित अन्य सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।कानपुर के स्वरूप नगर थाना क्षेत्र में जेके कैंसर हॉस्पिटल के परिसर में औरैया के अधेड़ की चाकुओं से गोद कर हत्या कर दी गई। छोटी दीपावली के दिन अधेड़ का लहूलुहान शव झाड़ियों में पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची स्वरूप नगर पुलिस, फॉरेंसिक टीम और क्राइम ब्रांच ने जांच पड़ताल कर साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम भेज दिया।जिला औरैया के थाना सहार के बहादुरपुर निवासी राजकुमार सिंह राजावत (55) खेती किसानी करते थे। परिवार में पत्नी अनीता देवी, बेटी नम्रता और बेटा विशाल है। परिवार के लोगों ने बताया कि अनीता देवी को करीब छह महीने से चेस्ट में इंफेक्शन था जिसका इलाज गोल चौराहा स्थित चेस्ट हॉस्पिटल में चल रहा था। बताया कि एक माह पहले पति राजकुमार सिंह राजावत ने पत्नी अनीता को चेस्ट हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया था।परिजनों ने बताया कि शुक्रवार रात पति ने पत्नी से खाना खाकर आने की बात कहकर निकले थे। जब वह काफी देर तक नहीं लौटे तो पत्नी ने उन्हें कॉल की। लेकिन किसी ने फोन रिसीव कर जल्द आने की बात कही। इस पर पत्नी निश्चित हो गई। शनिवार की सुबह परिजनों ने स्वरूप नगर थाने में राजकुमार की गुमशुदा की दर्ज कराई। रविवार सुबह जेके कैंसर अस्पताल परिसर में उगी झाड़ियों के बीच किसान राजकुमार सिंह राजावत का रक्तरंजित शव पड़ा मिला।

पुलिस ने प्रथम राष्ट्रीय बताया कि चाकू से गोदकर हत्या की गई है। मामले में फॉरेंसिक टीम और क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। एसीपी स्वरूप नगर सुमित सुधाकर रामटेके ने बताया कि घटना से एक दिन पहले राजकुमार रावतपुर से कल्याणपुर जाते समय एक पल्सर सवार के पीछे बैठे नजर आए हैं। वह व्यक्ति कौन है इन सब बिंदु पर जांच की जा रही है।

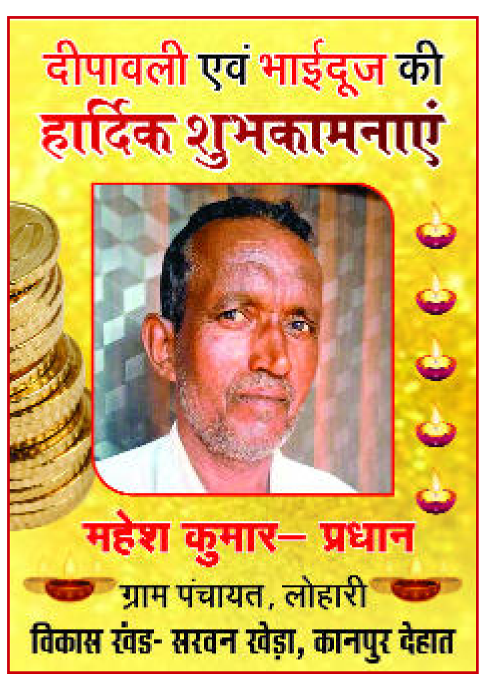

# कानपुर विकास प्राधिकरण

का० वि० प्रा०
Kanpur Development Authority

## धनतेरस व दीपावली

के शुभ अवसर पर प्राधिकरण की शताब्दी नगर सेक्टर-3 व 4 एवं जवाहरपुरम् सेक्टर-1,1 ए व 4 योजना में

**शीघ्र आवेदन करें**

**464**

भूखण्ड लॉटरी के माध्यम से प्राप्त करने का

**स्वर्णिम अवसर**

**रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ**
**दिनांक 24.10.2025 से 25.11.2025 तक**

| क्रम सं0 | योजना का नाम | टाईप | क्षेत्रफल (वर्ग0मी0 में) | भूखण्डों की संख्या | दर | पंजीकरण धनराशि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | शताब्दी नगर सेक्टर–3 | ए | 200.00 | 8 | 70000 | 1400000.00 |
| 2 | शताब्दी नगर सेक्टर–3 | बी | 112.50 | 15 | 40000 | 1400000.00 |
| 3 | शताब्दी नगर सेक्टर–3 | सी | 60.00 | 51 | 40000 | 1400000.00 |
| 4 | जवाहरपुरम सेक्टर–4 | ए | 300.00 | 20 | 36900 | 1107000.00 |
| 5 | जवाहरपुरम सेक्टर–4 | ए1 | 200.00 | 22 | 36900 | 738000.00 |
| 6 | जवाहरपुरम सेक्टर–4 | ए2 | 162.00 | 99 | 36900 | 597780.00 |
| 7 | जवाहरपुरम सेक्टर–4 | बी | 112.50 | 59 | 36900 | 415125.00 |
| 8 | जवाहरपुरम सेक्टर–1 | बी | 112.50 | 46 | 36900 | 415125.00 |
| 9 | जवाहरपुरम सेक्टर–1ए | बी | 112.50 | 43 | 36900 | 415125.00 |
| 10 | जवाहरपुरम सेक्टर–1ए | सी | 90.00 | 18 | 36900 | 332100.00 |
| 11 | जवाहरपुरम सेक्टर–1ए | डी | 60.00 | 83 | 36900 | 221400.00 |

- पारदर्शी प्रक्रिया
- लोन की सुविधा
- ऑनलाइन पेमेन्ट का विकल्प
- आवासीय भूखण्ड योजना
- आवंटन लॉटरी के माध्यम से

### नियम व शर्तें

1. दिनांक 24-10-2025 से दिनांक 24-11-2025 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। 2. पंजीकरण आवेदन पुस्तिका का मूल्य रू0 1000+18% जी0एस0टी0 सहित कुल मूल्य रू0 1180.00 (जी.एस.टी. सहित) नकद भुगतान कर एच0डी0एफ0सी0 बैंक की कानपुर नगर की किसी भी शाखा से प्राप्त की जा सकती है तथा दिनांक 24-11-2025 तक पंजीकरण पुस्तिका में उपलब्ध आवेदन पत्र वांछित पंजीकरण धनराशि सहित सम्बन्धित बैंकों में जमा कर सकते है। 3. दिनांक 24-11-2025 के बाद कोई आवेदन स्वीकार न होगा। 4. लाटरी की सूचना आवेदकों को समाचार पत्र के माध्यम से अलग से सूचित किया जायेगा। 5. भूखण्ड कार्नर होने की दशा में 10 प्रतिशत धनराशि अतिरिक्त देय होगी। अन्य समस्त नियम व शर्तें पंजीकरण पुस्तिका में वर्णित है।

**अभय कुमार पाण्डेय**
सचिव

**मदन सिंह गर्ब्याल**
उपाध्यक्ष

www.kdaindia.co.in | kda.co.in | @kdakanpur | kdakanpur | kdakanpur

# स्थानांतरण विवाद के तनाव से महिला कांस्टेबल ने थाने में खाया ज़हर

**» पुलिसकर्मियों ने पहुंचाया अस्पताल, हालत अब खतरे से बाहर**

**» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर देहात। बरौर थाना परिसर में उस समय हड़कंप मच गया जब महिला आरक्षी अंशू शर्मा ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। बताया जा रहा है कि स्थानांतरण के बावजूद रिलीव न किए जाने से वह तनाव में थीं। सहकर्मियों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर है।**

सूत्रों के अनुसार, आरक्षी अंशू शर्मा पिछले दो वर्षों से बरौर थाने में तैनात थीं। हाल ही में उनका तबादला हुआ था, लेकिन रवानगी को लेकर उनकी थानाध्यक्ष अमिता वर्मा से कहा-सुनी हो गई। इस पर उन्होंने थाना परिसर में जहरीला पदार्थ खा लिया। थानाध्यक्ष ने तुरंत उन्हें एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया। घटना की जानकारी मिलते ही जिले के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। क्षेत्राधिकारी सिकंदरा प्रिया सिंह ने कहा है कि घटना की जांच कराई जाएगी और यदि लापरवाही या उत्पीडन् पाया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## बीमारी से तंग आकर युवती ने लगाई फांसी

**» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर देहात। बरौर थाना क्षेत्र के जगम्मनपुर डेरा गांव में रविवार को एक युवती ने बीमारी से तंग आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान कुंवर सिंह की 18 वर्षीय पुत्री अंजनी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अंजनी लंबे समय से थाना प्रभारी अमिता वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में युवती द्वारा बीमारी से परेशान होकर आत्महत्या किए जाने की पुष्टि हुई है।देहात पेज

# सीएम के निर्देश दरकिनार, दिवाली-छठ पूजा पर भी जीएसटी की सख्ती

## रेलवे पार्सलों की निगरानी करेंगे अफसर

**» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बावजूद जीएसटी विभाग ने कर चोरी रोकने के लिए 15 से 31 अक्तूबर तक दिवाली के दौरान भी रेलवे पार्सल और पान मसाला इकाइयों पर रोस्टर के अनुसार निगरानी लगाई है। साथ ही, अफसरों के दिवाली गिफ्ट लेने पर भी रोक लगा दी गई है।

मुख्यमंत्री ने दिवाली और छठ पूजा समेत त्योहारी सीजन पर बाजारों, व्यापारिक, औद्योगिक प्रतिष्ठानों की जांच न करने के निर्देश दिए हैं।

फिर भी जीएसटी विभाग के अफसरों की ड्यूटी रेलवे पार्सलों की निगरानी के लिए लगाई गई है। ऐसा पहली बार है कि त्योहारों पर रोस्टर के अनुसार ड्यूटी लगी है। 15-31 अक्तूबर तक ड्यूटी लगाई गई है। दिवाली के अवकाश में भी निगरानी के निर्देश हैं। इसी तरह कैमरों के जरिए केंद्रीयकृत व्यवस्था के बंद होने की स्थिति में पान मसाला इकाइयों के बाहर भी 17-31 अक्तूबर तक का नया रोस्टर जारी किया गया है।

पिछले साल जीएसटी विभाग के प्रमुख सचिव एम देवराज के निर्देश पर पानमसाला और लोहा स्टील इकाइयों के बाहर कैमरे लगाए जाने से पहले महीनों

तक रोस्टर के अनुसार अफसरों की ड्यूटी लगाई गई थी। हालांकि विरोध के बाद भी पानमसाला और लोहा इकाइयों में कैमरे लगवाए गए। इसकी मॉनीटरिंग लखनऊ और लखनपुर स्थित कमांड सेंटर से की जाती है। नौ अक्तूबर को प्रमुख सचिव शहर आए थे और विभाग व अफसरों के कामकाज की समीक्षा की थी। इस दौरान हर हाल में कर चोरी रोकने के निर्देश दिए थे।

31 अक्तूबर तक निगरानी करने के निर्देश

दरअसल कालिंदी, कालका और श्रमशक्ति जैसी ट्रेनों के जरिए कर चोरी की लगातार शिकायतें मिल रही थी। अफसरों ने कुछ दिनों पहले अलग-अलग ट्रेनों में जांच करके बड़े पैमाने पर कर चोरी कर लाए माल को पकड़ा भी था। अब त्योहारी दिनों में भी रोस्टर के अनुसार जांच के निर्देश जारी किए गए हैं। अपर आयुक्त ग्रेड-2 एसआईबी राज्य कर कानपुर जोन द्वितीय की ओर 14 अक्तूबर को रोस्टर के अनुसार 31 अक्तूबर तक निगरानी करने के निर्देश दिए हैं।

## दीपावली का शुभ मुहूर्त

**धनतेरस पूजा मुहूर्त -**
शनिवार, अक्टूबर 18, 2025 शाम 7:16 बजे से रात 8:20 बजे तक

**नरक चतुर्दशी अभ्यंग स्नान मुहूर्त -**
सोमवार, अक्टूबर 20, 2025 सुबह 5:13 बजे से सबह 6:25 बजे तक

**लक्ष्मी पूजा मुहूर्त -**
सोमवार, अक्टूबर 20, 2025 शाम 7:08 बजे से रात 8:18 बजे तक

**गोवर्धन पूजा मुहूर्त -**
बुधवार, अक्टूबर 22, 2025 सुबह 6:26 बजे से सबह 8:42 बजे तक
दोपहर 3:29 बजे से शाम 5:44 तक

**भाई दूज अपराह्न का समय-**
बृहस्पतिवार, अक्टूबर 23, 2025 को दोपहर 1:13 बजे से दोपहर 3:28 बजे तक

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

# सुरार में मुकदमे के डर से भू माफियाओं ने रात के अंधेरे में खुद गिरा दी दीवारें

## स्वराज इंडिया की मुहिम का असर

**» माफियाओं ने खुद खाली की ऊसर ज़मीन, डीएम के सख्त आदेशों के बावजूद मुकदमा नहीं हुआ दर्ज**

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**कानपुर। सदर तहसील की ग्राम पंचायत सुरार में सरकारी ऊसर भूमि पर कब्ज़े का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। दैनिक स्वराज इंडिया की पड़ताल और लगातार उठाई गई मुकदमे की मांगों के बाद अब भू-माफियाओं में खौफ दिखने लगा है। सूत्रों के मुताबिक, मुकदमे की आशंका से घबराए कुछ भू माफियाओं ने रात के सन्नाटे में खुद ही लेबर लगाकर ऊसर ज़मीन पर बनी बाउंड्री वॉल को गिरवा दिया।**

हालांकि यह 'स्वयं-सफाई अभियान' कार्रवाई इस बात का प्रमाण है कि कब्ज़ा हुआ था और अब डर के चलते भू माफिया खुद पीछे हट रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि प्रशासन अब तक मौन क्यों है?

जब माफिया खुद दीवारें गिरा रहे हैं, तब भी राजस्व विभाग की तरफ से ना मुकदमा दर्ज हुआ, ना गिरफ्तारी, ना पूर्ण कब्ज़ा-मुक्ति।

**स्वराज इंडिया की मुहिम से हिलने लगा भूमाफिया नेटवर्क**

स्वराज इंडिया की लगातार रिपोर्टिंग के बाद जिला प्रशासन पर दबाव तो बना, लेकिन नायब तहसीलदार रिचा सचान ने पहले की तरह सिर्फ आराजी संख्या 608 के एक हिस्से तक ही कार्रवाई सीमित रखी। बाकी सरकारी भूमि (607, 610, 613) पर अभी भी माफियाओं का कब्ज़ा कायम है

कई जगह ईंटों की दीवारें दोबारा खड़ी की जा रही हैं।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि रात में जब बुलडोजर नहीं चला, तब खुद भू माफियाओं ने मज़दूर बुलाकर दीवारें तोड़ दीं ताकि मुकदमा न हो। फिर भी इस भूमि पर एक नया निर्माण तेजी से जारी है जिस पर अभी अधिकारियों की दृष्टि नहीं पड़ रही है।

यह हाल उस वक्त का है जब जिलाधिकारी ने स्पष्ट आदेश दिए थे कि सरकारी भूमि पर कब्ज़ा करने वालों के खिलाफ एफआईआर और सख्त कानूनी कार्यवाही की जाए।

**प्रशासन पर उठ रहे सवाल**

ग्राम प्रधान पंकज यादव द्वारा पहले दी गई शिकायत अचानक वापस ले ली गई, जिससे राजस्व विभाग और लेखपालों पर प्रभावशाली दबाव व सांठगांठ के आरोप और गहरे हो गए हैं।

मौजूदा लेखपाल अनिल कुमार पर आरोप है कि उन्होंने मोटी रिश्वत लेकर भू-माफियाओं के पक्ष में झूठी रिपोर्ट लगाई और सरकारी भूमि को खरीदी हुई बताने का प्रयास किया।

अब जब भू-माफियाओं ने खुद बाउंड्री गिरा दी है,तो यह रिपोर्ट अपने आप ही गलत साबित हो चुकी है लेकिन फिर भी न लेखपाल पर कार्रवाई हुई, न भू-माफियाओं पर मुकदमा।

**स्वराज इंडिया का सवाल कायम**

क्या सुरार में सिर्फ दिखावे की कार्रवाई करके फाइल बंद कर दी जाएगी? क्या जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि पूरा कब्ज़ा हटे और मुकदमे दर्ज हों,

या फिर यह मामला भी भ्रष्ट राजस्व तंत्र की एक और मिसाल बन जाएगा? यदि डीएम के आदेशों को धरातल पर लागू नहीं किया गया,तो

यह स्पष्ट संकेत होगा कि सुरार में आलोक दुबे युग आज भी खत्म नहीं हुआ बस नए चेहरों के साथ जारी है।

# गणेश-लक्ष्मी जी की पूजा का शाम 5:36 बजे से रात 8:56 बजे तक शुभ मुहूर्त

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**कानपुर। 20 अक्तूबर को दिवाली मनाई जा रही है। यह कार्तिक माह की अमावस्या तिथि है। इस दिन घरों से लेकर मंदिरों में लक्ष्मी पूजन का भव्य आयोजन किया जाता है। इसके प्रभाव से जीवन में खुशियां, सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा आती है। साथ ही व्यक्ति के धन-धान्य में वृद्धि होती है।दीपावली पर गणेश-लक्ष्मी और कुबेर जी के पूजन का सर्वश्रेष्ठ समय शाम 5ः36 बजे से रात 8ः56 बजे तक रहेगा। पहला शुभ मुहूर्त (प्रदोष काल) शाम 5ः36 बजे से 8ः07 बजे तक और दूसरा शुभ मुहूर्त (वृषभ काल) शाम 6ः59 बजे से रात 8ः56 बजे तक रहेगा। चौघड़िया शाम 5ः36 से 7ः10 बजे तक रहेगी।**

ज्योतिषाचार्य पं. मनोज कुमार द्विवेदी के अनुसार यह समय गृहस्थों, व्यापारियों और धनलाभ की कामना करने वालों के लिए अत्यंत अनुकूल रहेगा। इस समय देवी लक्ष्मी और गणेश जी का पूजन जीवन में स्थिरता, धन और सुख प्रदान करने वाला माना जाता है।

पं. पवन तिवारी के अनुसार दीपावली के महानिशीथ काल का संयोग रात्रि 11ः45 बजे से 12ः39 बजे तक रहेगा। इस समय लाभ चौघड़िया की बेला में पूजन करना विशेष लाभकारी माना गया है। रात्रि 1ः18 बजे से 3ः32 बजे तक स्थिर लग्न सिंह रहेगा। इस समय मां काली के तांत्रिक स्वरूप की उपासना सिद्धिप्रद और साधना अनुरूप मानी जाती है।

राशि अनुसार जलाएं दीपक ः पं. दीपक पांडे के अनुसार मेष, सिंह और धनु राशि वाले सोने का या पीले रंग का दीपक जलाएं। वृष, कन्या, मकर राशि वाले चांदी या सफेद रंग का दीपक जलाएं। मिथुन, तुला, कुंभ राशि वाले लाल या नारंगी रंग और कर्क, वृश्चिक, मीन राशि वाले नीला या हरे रंग का दीपक जलाएं।

ज्योतिषाचार्य स्वाती सक्सेना के अनुसार अमावस्या रात्रि में प्रदोष काल में लक्ष्मी-गणेश की पूजा करें। दीपक, मोमबत्तियां, फूल, धूप और सिक्के पूजा स्थल में रखें। महानिशिथ काल में मंत्र जाप और लक्ष्मी जी की स्तुति करें।

# म्योर मिल की जमीन सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज करने की मंजूरी

**» 1.5 वर्ग मीटर जमीन पर बनेंगे मंडलीय कार्यालय**

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में सिविल लाइंस स्थित म्योर मिल की जमीन पर सभी विभागों के मंडलीय कार्यालय बनाने का रास्ता साफ हो गया है। मिल की करीब डेढ़ लाख वर्ग मीटर भूमि को सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज करने की शासन स्तर से मंजूरी मिल गई है। प्रशासन अब जमीन के अभिलेखों की जांच करेगा। इसके बाद सरकारी अभिलेख में इसे दर्ज कर कार्यालय बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी।

वर्तमान में कई विभाग किराए की इमारतों या कलक्ट्रेट परिसर में तंग जगहों पर संचालित हैं। ऐसे में सरकारी कार्यों के लिए आने वाले लोगों को अलग-अलग स्थानों पर भटकना पड़ता है। ऐसे में जिला प्रशासन लंबे समय से एक ही स्थान पर सभी मंडलीय कार्यालयों को स्थापित करने की योजना पर काम कर रहा था। दो माह पहले एडीएम वित्त विवेक चतुर्वेदी, तत्कालीन एसडीएम सदर और तहसीलदार ने म्योर मिल परिसर का सर्वे कर विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेजी थी जिस पर वहां से मंजूरी मिल गई है।

अब जमीन को सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एडीएम वित्त विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि मिल के अभिलेखों की जांच हो रही है। प्रशासन का प्रयास है कि एक ही स्थान पर सभी मंडलीय कार्यालय स्थापित किए जाएं ताकि लोगों को भटकना न पड़े।

एडीएम वित्त विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि म्योर मिल वर्षों से बंद है। परिसर में लगी मशीनें हटा दी गई हैं और दुकानों की नीलामी भी पूरी हो चुकी है। अब जमीन को सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज कर मंडलीय कार्यालय निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

# पीबी सोसाइटी ज्वेलर्स से 1.09 करोड़ की साइबर ठगी मामले में एक गिरफ्तार

» मध्यप्रदेश के मंदसौर से ठग गिरफ्तार, अकाउंटेंट को वाट्सएप से भेजा फर्जी भुगतान का आदेश

» क्रिप्टोकरेंसी और डॉलर में बदली रकम मास्टरमाइंड अब भी फरार, साइबर टीम ने तेज की तलाश

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर की नामी ज्वेलरी फर्म पीबी सोसाइटी ज्वेलर्स के अकाउंटेंट से 1.09 करोड़ की साइबर ठगी के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। साइबर टीम ने मध्यप्रदेश के मंदसौर निवासी राजेंद्र शर्मा को गिरफ्तार किया है, जिसने फर्जी डायरेक्टर बनकर अकाउंटेंट को वाट्सएप पर मैसेज भेज ठगी को अंजाम दिया था।

डीसीपी क्राइम अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि 10 और 13 अक्टूबर को हुई इस ठगी में पीबी सोसाइटी ज्वेलर्स के अकाउंटेंट गजेंद्र सिंह राठौर ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था।

जांच में सामने आया कि ठगी की रकम मंदसौर और अहमदाबाद के बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी।पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस की मदद से मंदसौर से राजेंद्र शर्मा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि वह कीटनाशक की दुकान चलाता है और बेटी की शादी के लिए लिए गए कर्ज को चुकाने में असमर्थ था।

इसी दौरान एक रिश्तेदार ने उसे करन्ट अकाउंट खुलवाने की सलाह दी, जिसमें साइबर ठगी का पैसा आने वाला था और उसे कमीशन का हिस्सा मिलने का लालच दिया गया।

राजेंद्र शर्मा उदयपुर पहुंचा, जहां ठगी की पूरी योजना तैयार की गई। आरोपितों ने रकम को पहले विभिन्न खातों में ट्रांसफर किया और फिर उसे क्रिप्टोकरेंसी और डॉलर में बदलकर आपस में बांट लिया।

डीसीपी ने बताया कि मास्टरमाइंड अब भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस तकनीकी एजेंसियों और बैंकों के साथ मिलकर ठगी की रकम की रिकवरी की कोशिश कर रही है।

# खुशियों से खिला राजकीय बाल गृह, जिलाधिकारी ने बालिकाओं के साथ मनाया पर्व

» अचिन्त्य फाउंडेशन के कार्यक्रम में डीएम ने दिया अपनापन का संदेश

» गीत-संगीत, दीपों की रोशनी, मिठाइयों संग मनाई गई खुशियों की शाम

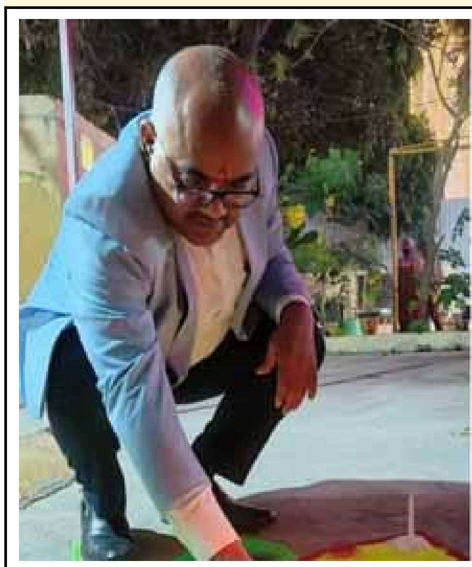

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

दीपावली के मौके पर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वरूप नगर स्थित राजकीय बाल गृह (बालिका) में पहुंचकर वहां की बालिकाओं संग दिवाली की खुशियां साझा कीं। अचिन्त्य फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने दीप प्रज्वलित किया, बालिकाओं को फल और मिठाइयां वितरित कीं तथा संस्था को एक म्यूजिक सिस्टम भेंट किया।

बालिकाओं ने इस मौके पर गीत और कविताओं की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे कार्यक्रम का माहौल उमंग और भावनाओं से भर गया। दीपों की चमक और बालिकाओं के चेहरों पर मुस्कान ने पूरे परिसर को खुशियों की रोशनी से जगमगा दिया। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि दीपावली का सच्चा अर्थ सिर्फ दीप जलाना नहीं, बल्कि प्रेम, करुणा और संवेदनाओं का प्रकाश फैलाना है। समाज के सक्षम वर्ग को वंचित बच्चों के साथ त्योहार मनाकर उन्हें अपनापन महसूस कराना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में डीएम ने बालिकाओं को मिठाइयां और उपहार देकर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

### इंजीनियर ने सुसाइड नोट में लगाए थे कई आरोप, अब बढ़ीं मुश्किलें

# ओला संस्थापक भावेश अग्रवाल समेत कई अफसरों पर केस दर्ज

## मृतक अरविंद को आत्महत्या के लिए उकसाने एवं उत्पीड़न की धारा में जांच शुरू, एफआईआर को कर्नाटक हाईकोर्ट में चुनौती

**» मौत के बाद खाते में भेजे गए 17 लाख रुपये।**

» बंगलूरू, एजेंसी।

**ओला इलेक्ट्रिक के संस्थापक भावेश अग्रवाल और कंपनी के कई वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ 38 वर्षीय इंजीनियर की आत्महत्या के मामले में बंगलूरू पुलिस ने केस दर्ज किया है। मृतक इंजीनियर अरविंद ने अपने सुसाइड नोट में कंपनी के अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न और वेतन रोकने के गंभीर आरोप लगाए थे। अब पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।**

अरविंद 2022 से कोरमंगला स्थित ओला इलेक्ट्रिक में होमोलोगेशन इंजीनियर के तौर पर कार्यरत थे। उनके भाई अश्विन कन्नन ने पुलिस में शिकायत दी कि 28 सितंबर को अरविंद ने अपने चिकलासंद्रा स्थित फ्लैट में आत्महत्या की कोशिश की थी। उन्हें महाराजा अग्रसेन अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस को उनके कमरे से 28 पन्नों का एक हस्तलिखित सुसाइड नोट मिला, जिसमें उन्होंने अपने वरिष्ठों पर लगातार कार्यस्थल पर उत्पीड़न और वेतन-भत्ते रोकने का आरोप लगाया।

शिकायत में बताया गया है कि अरविंद की मौत के दो दिन बाद, 30 सितंबर को उनके बैंक खाते में 17.46 लाख रुपये एनईएफटी के जरिए ट्रांसफर किए गए। परिवार ने इसे संदिग्ध बताते हुए कहा कि यह राशि मृत्यु के बाद भेजी गई और संभवतः कंपनी की ओर से आंतरिक कमियों को छिपाने का प्रयास था। जब परिवार ने इस बारे में कंपनी से जवाब मांगा, तो उन्हें अस्पष्ट उत्तर मिले।

### कार्यस्थल को लेकर कंपनी का दावा

कंपनी ने अपने बयान में कहा कि हम अधिकारियों के साथ पूरी तरह सहयोग कर रहे हैं और अपने सभी कर्मचारियों के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और सहयोगी कार्यस्थल बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ओला इलेक्ट्रिक की ओर से जारी बयान में कहा गया कि उन्होंने एफआईआर को कर्नाटक हाईकोर्ट में चुनौती दी है और कंपनी के पक्ष में सुरक्षात्मक आदेश भी जारी किए गए हैं। कंपनी ने कहा कि हम अपने सहयोगी अरविंद की असामयिक मृत्यु से गहराई से दुखी हैं। उनके परिवार के साथ हमारी संवेदनाएं हैं।

### अरविंद के उत्पीड़न पर क्या बोली कंपनी?

कंपनी का दावा है कि अरविंद ने कभी अपने रोजगार या उत्पीड़न को लेकर कोई शिकायत नहीं की थी और उनकी भूमिका में कंपनी के शीर्ष प्रबंधन, जिनमें संस्थापक भावेश अग्रवाल शामिल हैं, से सीधा संपर्क नहीं था। ओला ने यह भी बताया कि परिवार को तत्काल सहायता के तहत फुल एंड फाइनल सेटलमेंट का भुगतान कर दिया गया।

पुलिस ने छह अक्तूबर को सुब्रमण्यपुरा थाने में मामला दर्ज किया। केस ओला इलेक्ट्रिक के हेड ऑफ होमोलोगेशन इंजीनियरिंग सुब्रत कुमार दास, संस्थापक भावेश अग्रवाल और अन्य अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किया गया है। इन्हें भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और धारा 3(5) के तहत नामजद किया गया है। पुलिस ने कहा है कि जांच जारी है और जरूरत पड़ने पर कंपनी अधिकारियों से पूछताछ की जाएगी।

# मेदांता के डॉक्टर की कार एक्सीडेंट में मौत, दो घायल

## पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**बाराबंकी। यूपी के पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर सोमवार की भोर एक ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में मेदांता के डॉक्टर की मौत हो गई। जबकि कार सवार एक अन्य डॉक्टर व ड्राइवर सहित दो लोग घायल हो गए। आनन-फानन में घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर, मृतक के शव को कब्जे में लेकर पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई।**

बिहार के चंपारण के रहने वाले डॉ अनिकेत कश्यप हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मेदांता में कार्यरत थे। रविवार देर रात वह अपने साथी डॉ विजियंत कुमार अर्टिगा कार से हरियाणा जा रहे थे। बाराबंकी जिले के थाना लोनीकटरा क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर किमी 25 पर भोर में चार बजे पीछे से आ रही ट्रक ओवरटेक करते कार को टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल कार सवार दोनों डॉक्टर व चालक सचिन को इलाज के लिए सीएचसी हैदरगढ़ लाया गया।

यहां डॉक्टरों ने चिकित्सक अनिकेत कश्यप को मृत घोषित कर दिया। वहीं, मामूली रूप से घायल हुए मृतक के सहकर्मी डॉ विजियंत कुमार व ड्राइवर सचिन का प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। मेदांता के डॉक्टर की दुर्घटना में मौत की सूचना पर एसडीएम राजेश विश्वकर्मा, सीओ समीर कुमार सिंह व कोतवाल अभिमन्यु मल्ल दल बल सहित अन्य अफसर सीएचसी पहुंचे और घायलों का हालचाल लिया। वहीं, अनिकेत के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया। साथ ही पुलिस ने इस मामले में विधिक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

**» बिहार के चंपारण के रहने वाले डॉ अनिकेत कश्यप हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मेदांता में कार्यरत।**

### लखीमपुर में बस की टक्कर से तीन युवकों की मौत

उधर, सोमवार सुबह लखीमपुर खीरी के पसगवां थाना क्षेत्र में रोडवेज बस की टक्कर से तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए परिजनों ने सड़क पर शव रखकर चार घंटे तक जाम लगाया। पुलिस अधिकारियों के समझाने और निष्पक्ष जांच के आश्वासन के बाद जाम समाप्त हो सका।

रोजा थाना क्षेत्र के सहेजना गांव निवासी गुड्डू (40), संतराम (50) और उनका साथी हरीराम सोमवार सुबह एक ही बाइक पर सवार होकर लखीमपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान महमदपुर ताजपुर (पसगवां थाना क्षेत्र) के पास पीछे से आ रही रोडवेज बस ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें जिला अस्पताल शाहजहांपुर ले जाया गया, जहां गुड्डू और संतराम को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इलाज के दौरान हरीराम की भी मौत हो गई।

### महंत नृत्य गोपाल दास से मिले योगी

# बच्चों को बांटे उपहार, रामलला के किए दर्शन

## अखाड़ों और मठों में संतों का जाना हालचाल

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**अयोध्या। आज दीपावली के अवसर पर अयोध्या के अभिरामदास वार्ड में निषाद समुदाय की एक कॉलोनी का दौरा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि निषाद समुदाय को अत्यंत पिछड़ी जाति (ईसीबी) माना जाता है। इस समुदाय का मानना है कि इसकी वंशावली निषादराज से जुड़ी है, जिन्हें रामायण में भगवान राम को सरयू नदी पार करने में मदद करने वाला बताया गया है। आदित्यनाथ ने कहा कि इस त्रेतायुग की स्मृति को आगे बढ़ाने के लिए भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के लोगों से अपने-अपने घरों में दीप चलाने की अपील की।**

उन्होंने कहा, ÷यदि कोई व्यक्ति किसी कारणवश दीप नहीं जला पाता है, तो उसकी मदद करें।÷ उन्होंने यहां संतों से भेंट भी की और उन्हें दिवाली की शुभकामनाएं दीं। आदित्यनाथ ने विभिन्न अखाड़ों और मठों में पहुंचकर संतों का हालचाल जाना और दिवाली पर उपहार भेंट किया। वह सबसे पहले दिगंबर अखाड़े पहुंचे, जहां उन्होंने महंत सुरेश दास से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच प्रदेश और समाज से जुड़े विषयों पर चर्चा भी हुई। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री बड़ा भक्त महल भी पहुंचे, जहां उन्होंने महंत कौशल किशोर दास महाराज से मुलाकात की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से मिलने मणिराम दास छावनी भी पहुंचे। उन्होंने दास के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके दीर्घायु होने की कामना की। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि रविवार शाम को अयोध्या में दीपोत्सव 2025 के तहत 26,17,215 दीपों से अयोध्या नगरी जगमगा उठी।

## दीपावली मिलन समारोह : यूपी सीएम का दीपावली पर अयोध्या के कार सेवकपुरम से संदेश

# समाज और देश में फूट डालने वाले तत्वों से रहना होगा सावधान: योगी

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**अयोध्या- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दिवाली के मौके पर समाज में एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को समाज और देश में फूट डालने वाले तत्वों से सावधान रहना होगा। अयोध्या के कारसेवकपुरम में आयोजित दीपावली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि जब हमें कोई उपलब्धि मिल जाती है, तो हम निश्चिंत होकर सोते हैं, लेकिन तभी हमारे साथ धोखा होने की भी आशंका रहती है।**

सीएम योगी ने लोगों को सतर्क करते हुए कहा कि यह सोने का समय नहीं है। हमें समाज और देश में फूड डालने वाले तत्वों से सावधान रहना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान और अब जब अयोध्या में श्री रामलला विराजमान हैं, तब हमारा दायित्व और अधिक बढ़ गया है। हमें समाज के एक-एक तबके को जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि त्योहार का उत्साह तभी सार्थक होता है, जब समाज के हर तबके को अपनी खुशी में शामिल किया जाए।

सीएम योगी ने अयोध्या में स्वच्छता की चर्चा की। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि और हनुमानगढ़ी के दर्शन के बाद जब वह आगे बढ़े तो उन्हें अयोध्या धाम की स्वच्छता के नये मानक गढ़ने वालों के बीच पहुंचने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि इसके बाद वह उन लोगों की बस्ती में पहुंचे, जो जीवन भर लोगों को नदी पार करवाते रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि निषाद बस्ती में जाकर मुझे मिष्ठान वितरण का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने भी तो यही किया था। उन्होंने निषाद राज को गले लगाया था। शबरी के जूठे बेर खाकर कृतज्ञता ज्ञापित की थी। भगवान राम का इंतजार कर रही शबरी प्रभु का दर्शन करके अभिभूत थी।

मुख्यमंत्री ने समाज को जोड़ने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यदि आज हम समाज को जोड़ने का काम करेंगे, तो रामराज्य को आने से कोई ताकत नहीं रोक सकती।

उन्होंने कहा कि यह 'आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना और रामराज्य की अवधारणा को साकार करेगा। सीएम ने समारोह में मौजूद संत समाज से दीपावली पर विशेष आग्रह किया कि जहां अभाव है, वहां अपने आशीर्वाद से मिष्ठान पहुंचाने में योगदान दें।

# चाचा ने काट दी भतीजे की गर्दन- झाड़-फूंक या बदले की आग; जीत को बेटे की मौत का जिम्मेवार मानता था छट्ठू

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

सोनभद्र। घटना की जानकारी मिलने पर सीओ राजेश राय भी मौके पर पहुंचे। कोतवाल स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि पुराने विवाद में चाचा ने भतीजे की हत्या की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

यूपी के सोनभद्र स्थित दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के नगवां गांव में रविवार की रात पुराने विवाद में धारदार हथियार से वार कर जीत सिंह खरवार (21) की हत्या कर दी गई। आरोपी चाचा मौके से फरार हो गया। घटना के पीछे बेटे की मौत की टीस को बताया जा रहा है। करीब साल भर पहले सड़क हादसे में हुई बेटे की मौत का बदला लेने के बाद हत्यारोपी मौका तलाश रहा था। पुलिस छानबीन में जुट गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं।नगवां गांव निवासी पच्चू सिंह का बेटा जीत सिंह (21) रविवार की शाम घर के बाहर बैठा हुआ था। बताते हैं कि इसी दौरान चाचा छट्ठू वहां पहुंचा और पीछे से उसकी गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गर्दन के पास कई वार से युवक लहूलुहान होकर गिर पड़ा। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर दुद्धी कोतवाली पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। परिजनों के मुताबिक करीब एक साल पहले जीत सिंह ने बड़े भाई अजीत सिंह के शादी की सालगिरह पर म्योरपुर क्षेत्र से कुछ नर्तकियों को बुलाया था। कार्यक्रम समाप्ति के बाद उसने चाचा छट्ठू सिंह के बेटे दिनेश को उन्हें छोड़ने के लिए बाइक से भेजा था। लौटते समय रास्ते में लीलासी के पास दिनेश सड़क हादसे का शिकार हो गया।

# प्रकाश का लोकधर्म: जब सीएम योगी स्वयं बने दीप

» अयोध्या की मलिन बस्ती में मुख्यमंत्री का आगमन भक्ति, करुणा और लोकसेवा का संगम

» स्वराज इंडिया न्यूज।

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की नगरी में रविवार को दीपों का महोत्सव जब चरम पर था, उसी समय एक दृश्य ऐसा था जिसने समूची परंपरा को जीवंत कर दिया। यह केवल एक प्रशासनिक उपस्थिति नहीं, बल्कि धर्म और लोकजीवन के मध्य उस अदृश्य सेतु का पुनर्स्मरण था जहां राजा और प्रजा के मध्य कोई दूरी नहीं रहती, केवल आत्मीयता का प्रकाश होता है।दीपावली की प्रभात बेला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन के उपरांत अयोध्या की एक मलिन बस्ती की ओर बढ़े। यह यात्रा थी दिखावे की नहीं, बल्कि उस भाव की, जहां दीप का वास्तविक अर्थ निहित है अंधकार को नहीं, अपमान को मिटाने वाला आलोक।

सुबह-सुबह जब मुख्यमंत्री बस्ती पहुंचे, तब वहाँ की गलियाँ अब तक पूरी तरह जागी भी नहीं थीं। लोग चकित थे आज हमारे घर योगी जी आए? मुख्यमंत्री ने उत्तर नहीं दिया, केवल मुस्कराए और पहले ही घर में प्रवेश करते हुए बोले, मैं आपको दीपावली की शुभकामनाएं देने आया हूँ। हर घर के द्वार पर रुकते हुए उन्होंने परिवारों से संवाद किया, बच्चों को मिठाई और चॉकलेट दी, बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। जब वे एक वृद्धा को दीपावली गिफ्ट देने लगे, तो वह श्रद्धा से आंचल फैला बैठीं। योगी ने वही गिफ्ट उनके आंचल में रख दिया — और कहा,हर घर में एक दीया अवश्य जलना चाहिए, यही अयोध्या की पहचान है। वह क्षण केवल भावनाओं का नहीं, बल्कि भारतीय लोकसंस्कृति के पुनर्जागरण का प्रतीक बन गया।

**राजा वही जो जन के द्वार तक पहुंचे**

अयोध्या की सडक़ों से लेकर सरयू घाट तक दीपों का समुद्र उमड़ रहा था, पर उस दिन सच्चा दीप वहीं जल उठा जहाँ एक जनसेवक ने जनता के घरों में प्रवेश किया। मुख्यमंत्री योगी का यह कदम राजधर्म को पुन- लोकधर्म में रूपांतरित करने वाला प्रतीत हुआ। उन्होंने न केवल उपहार दिए, जो पाश्चजन्य की मूल आत्मा से एकाकार है धर्म शासन का नहीं, जीवन का आधार है। दीपोत्सव का यह पर्व मात्र सौंदर्य का नहीं, संस्कार का उत्सव है। जब योगी आदित्यनाथ ने मलिन बस्ती के बच्चों को गोद में उठाया, तो वह दृश्य उस युग की पुनरावृत्ति था जब प्रभु श्रीराम स्वयं निषादराज के कुटीर में पधारे थे। राजा और समाज के बीच की दूरी मिटाने की यह भावना ही रामराज्य का सार है।

**-जब सत्ता तपस्या बन जाए**

योगी आदित्यनाथ का यह दौरा केवल संवेदना नहीं, एक तपश्चर्या का प्रतीक था उस राजयोग की परिभाषा, जहां शासन सेवा का रूप ले लेता है। रामलला के आशीष से लेकर वाल्मीकि बस्ती की गलियों तक, योगी ने यह दिखाया कि दीपोत्सव केवल रामलला का नहीं, बल्कि रामजीवन का पर्व है।

# सांसद अवधेश प्रसाद बोले 'न बुलाया, न कार्ड मिला'

## दीपोत्सव पर सियासी सियापा

» अखिलेश यादव के बयान दीयों पर खर्चा क्यों, क्रिसमस से सीखो, पर अयोध्यावसियों में रोष

» स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अयोध्या ।भव्य दीपोत्सव के बीच अयोध्या की सियासत गरमा गई है। अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि उन्हें दीपोत्सव में आमंत्रित नहीं किया गया। सांसद ने कहा, अगर कार्ड मिलता तो मैं जरूर जाता। अयोध्या की धरती से जुड़े लाखों मतदाताओं ने मुझे सांसद बनाया है, लेकिन हमें बुलावा नहीं दिया गया ।वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दीपोत्सव पर सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा, दीयों और मोमबत्तियों पर इतना खर्च क्यों? क्रिसमस से सीखो, त्योहार मनाओ, लेकिन फिजूलखर्ची मत करो। एक तरफ अयोध्या दीपों की रोशनी में नहा रही है, तो दूसरी ओर इस उत्सव की चमक पर सियासत का साया भी गहराता दिख रहा है। अखिलेश यादव के बयान पर अयोध्यावासियों में रोष है।

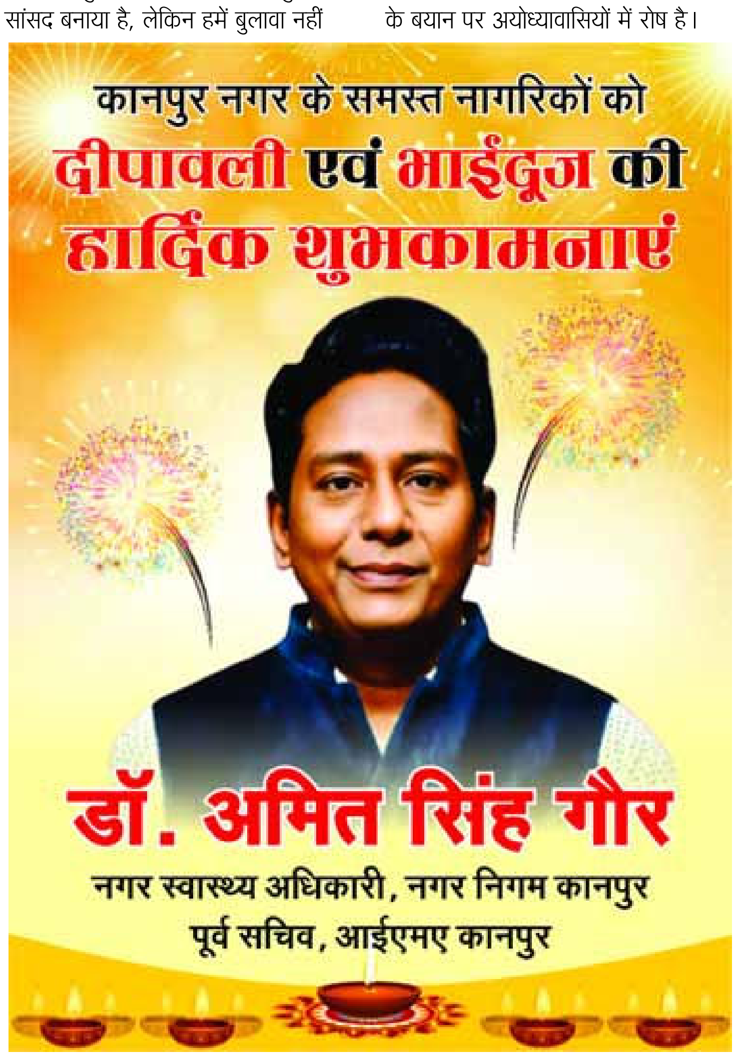

# जब 'जय श्रीराम' की गूंज में खो गया संसार

## दीपोत्सव ने बांधा विश्व को भक्ति और संस्कृति के एक सूत्र में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो ।

**अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम की नगरी इस दीपोत्सव पर केवल भारत की नहीं रही वह विश्व की राजधानी बन गई। राम की पैड़ी पर सजे दीपों की झिलमिलाहट और सरयू तट पर उमड़ा जनसागर केवल दृश्य नहीं था, यह वह क्षण था जब भारत की आत्मा ने अपना आलोक विश्व को सौंपा।**

रूस, पोलैंड, यूक्रेन, श्रीलंका, थाईलैंड, नेपाल और जापान से आए अतिथियों ने जैसे ही जय श्रीराम का उद्घोष किया, पूरी अयोध्या उस दिव्य भाव में विलीन हो गई जहाँ जाति, भाषा और देश की सीमाएँ समाप्त हो जाती हैं।

**राम की धरती पर राम का नाम**

भक्त राम की पैड़ी पर दीपों की रेखाओं से जब सरयू का जल चमक उठा, तब विदेशी मेहमान भी भावविभोर हो उठे। यूक्रेन से आई नतालिया ने कहा मैंने पहले कभी इतना विशाल, शांत और आत्मिक उत्सव नहीं देखा। दीपों का यह समुद्र किसी स्वर्गिक दृश्य जैसा है। पोलैंड की सिवोना बोलीं —अयोध्या के लोग हमेशा मुस्कुराते रहते हैं। यहाँ हमें शांति और अपनापन मिला। यह जगह भले दिल्ली जितनी बड़ी न हो, पर यहाँ का दिल बहुत बड़ा है। उनके शब्दों में जो भाव था, वह केवल पर्यटन का नहीं, आध्यात्मिक एकता का अनुभव था।

**अयोध्या विश्व संस्कृति का संगम स्थल**

राम की पैड़ी से लेकर धर्मपथ तक दीपों की अनगिनत पंक्तियां मानो कह रही थीं यह प्रकाश किसी एक देश का नहीं, संपूर्ण मानवता का है। पुष्पवर्षा, शंखध्वनि और जय श्रीराम के घोष से जब आकाश गूंजा, तब विदेशी अतिथि भी कैमरे छोड़कर हाथ जोड़ने लगे। वे केवल दर्शक नहीं रहे, वे उस क्षण रामभक्ति के सहभागी बन गए। दीपोत्सव 2025 ने एक बार फिर सिद्ध किया कि अयोध्या केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि विश्व संस्कृति का संगम स्थल है।विदेशी अतिथियों ने कहा यहाँ हमें केवल दीपों का सौंदर्य नहीं, मन की शांति मिली। यह आयोजन हमें सिखाता है कि संस्कृति का अर्थ है सबको जोड़ना।

» दीपोत्सव में डिजिटल रूप से जोड़े देश भर के श्रद्धालु

## अयोध्या दीपोत्सव: आईटीसी मंगलदीप ने प्रज्जवलित किए 1.3 लाख दीये

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो ।

अयोध्या। आईटीसी के अग्रणी अगरबत्ती ब्रांड मंगलदीप ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित भव्य अयोध्या दीपोत्सव में हिस्सा लिया और एक अनोखी ऑगमेंटेड रियलिटी एआर पहल के ज़रिए देशभर के श्रद्धालुओं को डिजिटल रूप से जोड़ा।

ब्रांड ने सरयू घाट पर 1.3 लाख दीये जलाकर एकता, आस्था और सकारात्मकता का संदेश दिया। मंगलदीप की एआर-सक्षम माइक्रोसाइट के माध्यम से लाखों लोगों ने वर्चुअल दीप जलाए, जो अयोध्या में वास्तविक दीपों से प्रतीकात्मक रूप से जुड़े थे।

मंच पर 25 विशाल अगरबत्तियाँ और 25 महा हवन प्यालों से फैली दिव्य सुगंध ने उत्सव की शोभा बढ़ा दी। आईटीसी के डिविजनल सीईओ रोहित डोगरा ने कहा, भक्ति शाश्वत है, बस उसका अनुभव करने के तरीके बदल रहे हैं। हमें गर्व है कि हम तकनीक के माध्यम से श्रद्धालुओं को अयोध्या की आध्यात्मिक ऊर्जा से जोड़ सके। इस मौके पर जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने कहा कि मंगलदीप की डिजिटल पहल ने दीपोत्सव को पूरे देश में एकता और भक्ति का संदेश देने वाला पर्व बना दिया है।

SWACHH SURVEKSHAN
#Mera Shahar, Meri Pehchan 2023
KANPUR SMART CITY LTD. KANPUR
Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
G20
कानपुर नगर निगम
नगर निगम कानपुर
श्री ए. के. शर्मा, नगर विकास मंत्री
श्रीमती प्रमिला पाण्डेय, महापौर
कानपुर महानगर वासियों को महापर्व दीपावली और भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
आइए! मिलकर स्वच्छता के प्रति कदम बढ़ाए, अपने कानपुर नगर को स्वच्छ बनाएं।
नगर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में हमे चाहिए आपका सहयोग। इसी क्रम में हम आपसे अपील करते है कि
अपने घर के कूड़े को प्रथक-प्रथक करके नगर निगमद्वारा संचालित डोर टू डोर कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
सड़क पर कूड़ा न फेंके।
आस पास साफ सफाई रखें, कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें।
प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें।
Reduse, Reuse, Recycle की अवधारणा को अपने जीवन में आदत के रूप में ढालें।
कानपुर नगर को साफ व स्वच्छ बनाने में कानपुर नगर निगम का सहयोग करें।
SAY NO TO PLASTIC
BAG
CLEAN UP DAY!
/KANPUR MUNICIPAL CORPORATION
नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय (आईएएस)